



यह चित्र महाराष्ट्र की वरली शैली में बना है। बच्चों का ध्यान चित्र की ओर दिलाएँ।







## 14. एक बुढ़िया

कहीं एक बुढ़िया थी जिसका  
नाम नहीं था कुछ भी,  
वह दिन भर खाली रहती थी  
काम नहीं था कुछ भी।  
काम न होने से उसको  
आराम नहीं था कुछ भी,  
दोपहरी, दिन, रात, सबेरे,  
शाम नहीं थी कुछ भी।





## नाम बताओ, काम बताओ

बिना नामवाली बुढ़िया का कोई नाम रखो।

.....

वह दिन भर खाली रहती थी। उसके लिए कुछ काम सुझाओ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

## काम करो कुछ काम करो

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा काम कौन करता है?

.....

.....

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा आराम कौन करता है?

.....

.....

